* M A W - 1 6 0 1 0 3 0 4 0 1 0 4 0 4 0 0 - 5 0 5 0 - 2 *

MAW-1601030401040400 Seat No. _____

B. A. (Sem. IV) (CBCS) Examination

March / April - 2018

Hindi : Paper-IV

(Aadhunik Hindi Kavya : Dhanush Bhang Avem Vyakran) (Dhanush Bhang) (Compulsory) (New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) प्रत्येक प्रश्न के गुण प्रश्न के सामने निर्दिष्ट है ।

(२) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

१ कवि श्री किशोर काबरा के जीवन की प्रमुख घटनाओं को स्पष्ट करते हुए उनकी साहित्यिक यात्रा का परिचय दीजिए । १४

अथवा

१ 'धनुष–भंग' की कथावस्तु लिखकर उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । १४

२ सिद्ध कीजिए कि ' 'धनुष–भंग' काव्य में इतिहास एवं कल्पना का सुन्दर समन्वय हुआ है ।' १४

अथवा

२ खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'धनुष–भंग' का मूल्यांकन कीजिए । १४

३ 'धनुष–भंग' खण्डकाव्य में निरूपित आधुनिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

३ 'धनुष–भंग' खण्डकाव्य के आधार पर निमि का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

४ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'धनुष–भंग' काव्य का शीर्षक ।

(२) 'धनुष–भंग' के महर्षि गौतम ।

(३) 'धनुष–भंग' में त्रिपुर – प्रसंग ।

(४) 'धनुष–भंग' की भाषा–शैली ।

५ (अ) भारत और अमरिका के बीच कूटनीतिक सम्बन्ध विषय पर प्रेसनोट तैयार कीजिए । ७

अथवा

(अ) 'मध्यप्रदेश सरकार के कृषि एवं पशुपालन निदेशालय द्वारा किसानों को इंजन के लिए सहायता–राशि–प्रदान की योजना ।' – विषय पर प्रेसनोट लिखिए । ७

(ब) गुजराती में अनुवाद कीजिए : ७

जिस देश में हम पैदा हुए है, जिस देश की मिट्टी, पानी और अन्न से हमारा शरीर बना है, उसके प्रति प्रेम एवं कर्तव्य उत्पन्न होना स्वाभाविक है । इसी कारण हमारे देश को स्वदेश – प्रेमियों ने अपने खून–पसीने से सींचा है, उनके गौरव के लिए अनेक वीरों ने सहर्ष अपना बलिदान दिया है । स्वदेश की सेवा करना, उसकी अस्मिता को अखंडित रखना, प्राचीन गौरवपूर्ण निधि की रक्षा करके उसकी इज्जत करना, हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है ।

अथवा

(ब) हिन्दी में अनुवाद कीजिए : ७

સમાજની ઉન્નતિના ક્રમમાં મુખ્યત્વે ત્રણ સોપાનો જોવા મળે છે. પહેલા સોપાનમાં જંગલનો કાયદો પ્રચલિત છે. જેમાં હિંસા અને સ્વાર્થને સૌથી વધારે મહત્ત્વ આપવામાં આવે છે. બીજા સોપાનમાં અદાલતો, પોલીસો, જેલો વગેરે દ્વારા કાનૂન તથા ન્યાયનું શાસન ચાલે છે. ત્રીજા સોપાનમાં પ્રેમ અને કાયદો એક બની જાય છે. આ ત્રીજું સોપાન જ માનવતાનું લક્ષ્ય બની શકે છે અને મનુષ્યને ઉન્નતિના શિખર પર પહોંચાડી શકે છે.